CURRENT AFFAIRS

05 सितंबर, 2024

1. भारत और सिंगापुर ने सेमीकंडक्टर साझेदारी पर समझौते पर हस्ताक्षर किए -

- भारत और सिंगापुर ने सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में सहयोग बढ़ाने के उद्देश्य से कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे उनके संबंध एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक पहुंच गए हैं।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी सिंगापुर यात्रा के दौरान क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और समृद्धि के लिए सहयोग के महत्व पर बल दिया तथा सिंगापुर को भारत के विकास के लिए एक "प्रेरणा" बताया।
- नव हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन एक मजबूत सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने, भारत के बढ़ते उद्योग को समर्थन देने और भारतीय बाजार में सिंगापुर की कंपनियों के लिए अवसर खोलने पर केंद्रित है।
- इस समझौते का उद्देश्य दोनों देशों की डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं के बीच अंतर-संचालन को बढ़ावा देना है।सहयोग के क्षेत्रों में डेटा संरक्षण, साइबर सुरक्षा और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना शामिल हैं, जो उनकी वास्तविक समय डिजिटल भुगतान प्रणालियों के लिंकेज जैसी पहलों पर आधारित हैं।

2. डॉ। सर्वपल्ली राधाकृष्णन -

- सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर, 1888 को ब्रिटिश भारत के मद्रास प्रेसीडेंसी के तिरुत्तनी में हुआ था।उनके माता-पिता, सर्वपल्ली वीरस्वामी और सर्वपल्ली सीता, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर जिले में स्थित एक तेलुगु भाषी नियोगी ब्राह्मण परिवार का हिस्सा थे।
- राधाकृष्णन की प्रारंभिक शिक्षा तिरुत्तानी और तिरूपति में हुई।लेकिन मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज में उन्होंने वास्तव में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जहां उन्होंने 1906 में दर्शनशास्त्र में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की।
- सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में मद्रास फिलॉसफी में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में एक प्रतिष्ठित शैक्षणिक कैरियर की शुरुआत की।बाद में वे 1918 में मैसूर विश्वविद्यालय में प्रोफेसर बन गए और दर्शनशास्त्र पर महत्वपूर्ण लेख और किताबें लिखीं, जिनमें “रवींद्रनाथ टैगोर का दर्शन” और “समकालीन दर्शन में धर्म का शासन” शामिल हैं।

- 1921 में, उन्होंने कलकत्ता विश्वविद्यालय में मानसिक और नैतिक विज्ञान के प्रतिष्ठित किंग जॉर्ज पंचम चेयर को संभाला। उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों ने उन्हें उल्लेखनीय व्याख्यान देने, नाइटहुड प्राप्त करने और आंध्र विश्वविद्यालय के कुलपति और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में स्पैलिंग प्रोफेसर के रूप में कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

3. अबू धाबी में आईआईटी दिल्ली परिसर का उद्घाटन -

- एक ऐतिहासिक क्षण में, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली अबू धाबी परिसर का उद्घाटन किया।
- यह एक बड़ी बात है क्योंकि यह भारत के बाहर पहला पूर्ण आईआईटी परिसर है। यह आयोजन भारत और यूएई के बीच अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सहयोग में एक बड़ा कदम है।
- इस परिसर का उद्घाटन एक बड़े विजन का हिस्सा है, जिसे विज़न डॉक्यूमेंट के रूप में जाना जाता है, जिसे फरवरी 2022 में भारतीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान द्वारा लॉन्च किया गया था।यह दस्तावेज़ भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच मजबूत सहयोग के लिए शिक्षा को एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में उजागर करता है।

4. भारतीय नौसेना का P8I विमान वरुणा अभ्यास के लिए फ्रांस पहुंचा -

- पहली बार, भारतीय नौसेना का P8i पोसाइडन विमान फ्रांस के एयर बेस 125 इस्ट्रेस-ले ट्यूब पर उतरा है।यह एक महत्वपूर्ण आयोजन है, जो द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास 'वरुण' में भारत की भागीदारी के हिस्से के रूप में हो रहा है, जो 2 सितंबर से 4 सितंबर, 2024 तक भूमध्य सागर में होने वाला है।
- अभ्यास वरुण का मुख्य लक्ष्य उन्नत सामरिक अभ्यास करना है, जिससे भारतीय और फ्रांसीसी नौसेनाओं को एक साथ मिलकर बेहतर ढंग से काम करने में मदद मिलेगी।इन अभ्यासों में विभिन्न प्रकार के जटिल समुद्री युद्धाभ्यास शामिल हैं, जिन्हें दोनों नौसेना बलों के बीच सहयोग और समन्वय बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- फ्रांस में P8i पोसिडॉन का उतरना ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह 63 वर्षों में पहली बार है जब भारतीय नौसेना के किसी विमान ने फ्रांसीसी एयरबेस से उड़ान भरी है। पिछली बार ऐसा तब हुआ था जब

भारतीय नौसेना के एलीज़ विमान ने हाइरेस एयरबेस से उड़ान भरी थी। यह घटना भारत और फ्रांस के बीच मजबूत और लंबे समय से चले आ रहे नौसैनिक संबंधों को उजागर करती है।

5. ई-श्रम पोर्टल पर 30 करोड़ असंगठित कामगार पंजीकृत -

- श्रम और रोजगार मंत्रालय (एमओएलई) ने हाल ही में ई-श्रम पोर्टल की सफलता पर प्रकाश डाला, जिस पर तीन साल पहले इसके लॉन्च होने के बाद से 30 करोड़ से अधिक असंगठित श्रमिकों को पंजीकृत किया गया है।यह एक बड़ी उपलब्धि है, क्योंकि यह भारत में असंगठित श्रमिकों को सहायता देने के लिए एक डिजिटल प्रणाली बनाने की दिशा में प्रगति को दर्शाता है।
- ई-श्रम पोर्टल का उद्देश्य असंगठित श्रमिकों के लिए "वन-स्टॉप-सॉल्यूशन" प्रदान करना है।इसका अर्थ यह है कि इससे उन्हें एक ही स्थान पर विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं तक पहुंच बनाने में मदद मिलती है, जिससे उनके लिए वे लाभ प्राप्त करना आसान हो जाता है जिनके वे हकदार हैं।
- 2024-25 के बजट भाषण में सरकार ने ई-श्रम पोर्टल को अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़कर इसे और बेहतर बनाने की योजना की घोषणा की। इससे असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए केंद्रीय संसाधन के रूप में पोर्टल और भी उपयोगी हो जाएगा।